इण्टरमीडिएट परीक्षा, 2012

सामान्य हिन्दी–प्रथम प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट] 304 (DC) [पूर्णांक : 50

निर्देश–प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) 'साहित्यलोचन' गद्य की विधा है 1

(i) नाटक (ii) उपन्यास (iii) अलोचना (iv) निबन्ध।

(ख) हरिश्चन्द्र को 'भारतेन्दु' की पदवी से सुशोभित किया गया 1

(i) सन् 1860 में (ii) सन् 1865 में
(iii) सन् 1875 में (iv) सन् 1880 में

(ग) 'शिक्षा का उद्देश्य' निबन्ध सम्पूर्णानन्द जी द्वारा लिखित किस निबन्ध-संग्रह से संकलित है ? 1

(i) भाषा की शक्ति (ii) शिक्षा की दिशा और दशा
(iii) शिक्षा और संस्कृति (iv) शिक्षा और समाज।

(घ) 'अशोक के फूल' निबन्ध है 1

(i) मनोवैज्ञानिक निबन्ध (ii) ललित निबन्ध
(iii) बुद्धिप्रधान निबन्ध (iv) ऐतिहासिक निबन्ध।

(ङ) 'हरखू पात्र' किस कहानी से सम्बन्धित है ? 1

(i) बलिदान (ii) आकाश-दीप (iii) प्रायश्चित (iv) समय।

2. (क) 'पृथ्वीराज रासो' में प्रधानता है 1

(i) श्रृंगार रस की (ii) वीर रस की
(iii) शान्त रस की (iv) हास्य रस की।

(ख) 'भक्तिकाल' का समय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने माना है 1

(i) सम्वत् 1000 से सम्वत् 1375 तक
(ii) सम्वत् 1375 से सम्वत् 1700 तक
(iii) सम्वत् 1040 से सम्वत् 1370 तक
(iv) सम्वत् 950 से सम्वत् 1440 तक।

(ग) 'रामचन्द्रिका' रचना है 1

(i) केशवदास की (ii) पद्माकार की
(iii) चिंतामणि की (iv) घनानन्द की।

(घ) कामायनी में 'श्रद्धा सर्ग' किस सर्ग के बाद है ? 1

(i) आशा सर्ग (ii) चिंता सर्ग (iii) काम सर्ग (iv) लज्जा सर्ग।

(ङ) 'संसद से सड़क तक' किस कवि की रचना है ? 1

(i) 'मुक्तिबोध' (ii) 'नागार्जुन' (iii) 'धूमिल' (iv) 'अज्ञेय'।

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिएः

(i) मनुष्य का जीवन इतना विशाल है कि उसके आचरण को रूप देने के लिए नाना प्रकार के ऊँच-नीच और भले-बुरे विचार, अमीरी-गरीबी, उन्नति और अवनति इत्यादि सहायता पहुँचाते हैं। पवित्र-अपवित्रता उतनी ही बलवती है, जितनी कि पवित्र-पवित्रता। जो कुछ जगत में हो रहा है केवल आचरण के विकास के अर्थ हो रहा है। अन्तरात्मा वही काम करती है जो बाह्य पदार्थों के संयोग का प्रतिबिम्ब होता है।

(ii) आचरण की सभ्यता का देश ही निराला है। उसमें न शारीरिक झगड़े हैं, न मानसिक, न आध्यात्मिक। न उसमें विद्रोह है, न जंग ही का नामोनिशान है और न ही वहाँ कोई ऊंचा है, न नीचा। न वहाँ कोई धनवान है और न कोई वहाँ निर्धन। वहाँ प्रकृति का नाम नहीं, वहाँ तो प्रेम और एकता का अखण्ड राज्य रहता है। जिस समय आचरण की सभ्यता संसार में आती है, उस समय नीले आकाश से मनुष्य को वेद-ध्वनि सुनाई देती है, नर-नारी पुष्पवत् खिलते जाते हैं, प्रभात हो जाता है।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(i) जहाँ ज्ञान होता है वहाँ शक्ति होती है। (ii) भाषा स्वयं संस्कृति का अटूट अंग है। (iii) शौके दीदार अगर है तो नजर पैदा कर।

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(i) मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज कौ पंछी, फिर जहाज पर आवै।
कमल-नैन को छाँड़ि महातम, और देव को ध्यावै।
परम गंग को छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै।
जिहिं मधुकर अंबुज-रस चाख्यौ, क्यों करील फल-भावै।
सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरि कौन दुहावै।।

(ii) दुख की पिछली रजनी बीत
विकसता सुख का नवल प्रभात,
एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुख गात।

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(i) कबीर यह घर प्रेम का, खाला का घर नाहि। (ii) नाक वास बेसरि लह्यो, बसि मुकुतन के संग। (iii) काल को नही किसी की लाज।

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का सहित्यिक परिचय दीजिए एवं उसकी कृतियों पर प्रकाश डालिए : 2+2=4

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) सम्पूर्णानन्द (iii) हरिशंकर परसाई।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उसकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : 2+2=4

(i) तुलसीदास (ii) बिहारी (iii) महादेवी वर्मा।

7. (क) 'आकाश द्वीप' अथवा 'प्रायश्चित' कहानी का उद्देश्य लिखिए। 4

अथवा 'समय' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए।

(ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए 4

(i) 'राजमुकुट' नाटक के तृतीय अंक की कथावस्तु लिखिए।
अथवा 'महाराणा प्रताप' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'आन का मान' नाटक के आधार पर 'दुर्गादास' के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।
अथवा 'आन का मान' नाटक का सारांश लिखिए।

(iii) 'गरुड़ध्वज' नाटक के प्रथम अंक का कथासार लिखिए।
अथवा 'गरुड़ध्वज' नाटक के नायक का चित्रांकन कीजिए।

(iv) 'कुहासा और किरण' के द्वितीय अंक की कथा लिखिए।
अथवा 'कृष्ण चैतन्य' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(v) 'सूतपुत्र' नाटक के प्रथम अंक की कथावस्तु लिखिए।
अथवा कर्ण की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

(क) (i) 'श्रवण कुमार' के अभिशाप सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'श्रवण कुमार' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ख) (i) 'त्यागपथी' में वर्णित भारत की राजनीतिक उथल-पुथल का वर्णन कीजिए।
(ii) 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) (i) 'आलोक वृत्त' के द्वितीय अंक की कथावस्तु लिखिए।
(ii) 'महात्मा गांधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'रश्मिरथी' की कथा वस्तु लिखिए।
(ii) 'रश्मिरथी' के आधार पर 'कृष्ण' की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) (i) 'मुक्ति यज्ञ' के आधार पर स्वाधीनता आन्दोलन की घटनाओं का वर्णन कीजिए।
(ii) 'मुक्ति यज्ञ' के नायक की चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(च) (i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।
(ii) " 'सत्य की जीत' में युधिष्ठिर का चरित्र महान गुणों से परिपूर्ण है।" स्पष्ट कीजिए।